

18/1/23

बार - बार आबाज दिलवाए जाने के
बाबजूद भी वा हो अपील एवं वा ही
अपीलण अभिभावक अस्थित अपि। उतः
पञ्चा अदम हाजरी एवं अदम पैरकी में
स्वार्थ की जाती है। पञ्चा पैसल शुमार
की जाकर अन्तर से रज की जावे, बाद
जाता थारिबल दफतर है।

धू-प्रबन्ध अधिकारी
पदन
राजस्व अपील प्राधिकारी
भरतपुर कर्म धालपुर